

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन भू-अभिलेख अधिकारी बालोतरा
पीठासीन अधिकारी:- राजेश कुमार, आर.ए.एस.

राजस्व आवेदन संख्या :- 274/2023

जी.सी.एम.एस. नम्बर :- 2023/23

प्रार्थीगण	बनाम	विप्रार्थीगण
1.जोगाराम पुत्र टीकमाराम जाति जाट निवासी-धड़ोई,नाड़ी,जानियाना तहसील पचपदरा व जिला बालोतरा		1.जोगाराम पुत्र विमनाराम जाति सुथार निवासी जानियाना तहसील पचपदरा
2.संतोष पत्नी धेवरनाथ जाति जाट निवासी धड़ोई नाड़ी,जानियाना तहसील पचपदरा व जिला बालोतरा		2.अलसाराम पुत्र पिरागाराम जाति जाट निवासी जानियाना तहसील पचपदरा
		3.जमना पत्नी रायचन्द जाति जाट
		4.दलाराम पुत्र रायचन्द जाति जाट
		5.नानगाराम पुत्र रायचन्द जाति जाट
		6.सोहनलाल पुत्र जोगाराम जाति सुथार निवासी जानियाना तहसील पचपदरा
		7.सीतादेवी पत्नी लालाराम जाति सुथार निवासी जसोल तहसील पचपदरा
		8.राजस्थान सरकार जरिए तहसीलदार पचपदरा

राजस्व आवेदन अन्तर्गत धारा 111,128 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956

उपस्थिति-


1. श्री अचलाराम थोरी अधिवक्ता प्रार्थीगण
2. विप्रार्थी एकपक्षीय



आदेश

दिनांक 12-7-2024

1.संक्षिप्त में आवेदन-पत्र के सुसंगत तथ्य इस प्रकार है,कि प्रार्थीगण की खातेदारी भूमि ग्राम जानियाना तहसील पचपदरा की खेत खसरा संख्या 613/82 व 614/82 कुल क्षेत्रफल 4.6539 हैक्टर एवं खसरा संख्या 612/82 क्षेत्रफल 3.8850 हैक्टर भूमि अवस्थित है। जिस पर प्रार्थीगण का शान्तिपूर्वक कब्जा कास्त चला आ रहा है,प्रार्थीगण की भूमि के सेडा सेड विप्रार्थीगण की आई हुई है। वर्षा ऋतु के समय प्रार्थीगण की भूमि के सेडो को लेकर विप्रार्थीगण द्वारा दखलबाजी की जाती है और आये दिन सीमाओ को लेकर पक्षकारान मे तनाजा रहता है। अतः प्रार्थीगण द्वारा


उपखण्ड अधिकारी
(S.D.O.) बालोतरा

ग्राम जानियाना तहसील पचपदरा की खेत खसरा संख्या 613/82 व 614/82 कुल क्षेत्रफल 4.6539 हेक्टर एवं खसरा संख्या 612/82 क्षेत्रफल 3.8850 हेक्टर भूमि की नैखमबंदी करवाने हेतु यह आवेदन पत्र पेश किया है।


2. प्रार्थीगण का आवेदन दर्ज रजिस्टर किया गया। विप्रार्थीगण को जरिए रजिस्ट्रार नोटिस तलब किया गया। विप्रार्थीगण के नोटिस तामील शुदा प्राप्त हुए। विप्रार्थी को सुनवाई के पर्याप्त अवसर दिए जाने के उपरांत भी उपस्थित नहीं होने पर उनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई।

3. हमने प्रार्थीगण अधिवक्ता की बहस सुनी। प्रार्थीगण अधिवक्ता ने आवेदन के तथ्यों को दोहराते हुए बहस में निवेदन किया कि प्रार्थीगण की खातेदारी भूमि ग्राम जानियाना तहसील पचपदरा की खेत खसरा संख्या 613/82 व 614/82 कुल क्षेत्रफल 4.6539 हेक्टर एवं खसरा संख्या 612/82 क्षेत्रफल 3.8850 हेक्टर भूमि अवस्थित है। जिस पर प्रार्थीगण का शान्तिपूर्वक कब्जा कायम चला आ रहा है, प्रार्थीगण की भूमि के सोदा सोदा विप्रार्थी की भूमि आई हुई है, वर्षा ऋतु के समय प्रार्थीगण की भूमि के सोदो को लेकर विप्रार्थीगण द्वारा दखलदान्ची की जाती है, और प्रार्थीगण की खातेदारी भूमि की पुरानी मादो को हटवाने का प्रयास करते रहते है तथा प्रार्थीगण की खातेदारी भूमि में आये दिन अवैध कब्जा करने का प्रयास किया जाता है, और आये दिन सीमाओं को लेकर पक्षकारान में तनाजा रहता है। विप्रार्थी झगड़ालू प्रवृत्ति का होने के कारण आये दिन प्रार्थीगण को उसकी खातेदारी भूमि की सीमाओं को लेकर विवाद करते रहते है। अन्तः में निवेदन किया कि प्रार्थीगण की खातेदारी भूमि ग्राम जानियाना तहसील पचपदरा की खेत खसरा संख्या 613/82 व 614/82 कुल क्षेत्रफल 4.6539 हेक्टर एवं खसरा संख्या 612/82 क्षेत्रफल 3.8850 हेक्टर भूमि की नैखमबन्दी के आदेश किया जावे।

4. हमने प्रार्थीगण अधिवक्ताओं की बहस सुनी और बहस पर मनन किया तथा पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड व संलग्न दरतावेजात का गम्भीरतापूर्वक अवलोकन किया तथा विधि के परिप्रेक्ष्य में तथ्यों पर विवेचन किया। जिसमें पाया कि ग्राम जानियाना तहसील पचपदरा की खेत खसरा संख्या 613/82 व 614/82 कुल क्षेत्रफल 4.6539 हेक्टर एवं खसरा संख्या 612/82 क्षेत्रफल 3.8850 हेक्टर भूमि प्रार्थीगण की खातेदारी में दर्ज है, जो पत्रावली के संलग्न विवादित भूमि की जमाबंदी संवत् 2079-2082 का अवलोकन करने से स्पष्ट है। इस प्रकार प्रार्थीगण विवादित भूमि के रिकार्ड्ड खातेदार है और रिकार्ड्ड खातेदार अपनी भूमि की नैखमबंदी करवाने के लिए स्वतंत्र है, जिसके प्रार्थीगण हकदार प्रतीत होते है। हस्तगत प्रकरण के निरतारण के लिए हम यहाँ धारा 128 राजस्थान

भू राजस्व अधिनियम 1956 का उल्लेख करना उचित समझते है, जिसके अनुसार :- धारा 128 सीमा विवाद-सम्बन्धी समस्त विवाद भू-अभिलेख अधिकारी द्वारा धारा 111 में निर्धारित शीति से तय किए

जायेंगे। (परन्तु खेतों के सीमाओं सम्बन्धी आवेदन-पत्र, जहाँ यद्यपि ऐसी सीमा के विषय में कोई विवाद विद्यमान नहीं हो किन्तु सही सीमा चिन्हों के अभाव में ऐसी विवाद उठाने की सम्भावना हो तो तहसीलदार को ही पेश किए जायेंगे तथा उसी के द्वारा निपटारे जायेंगे)


उपखण्ड अधिकारी
(S.D.O.) बालोतरा



उक्त प्रावधान से स्पष्ट है, कि सीमाओं में विवाद की स्थिति होने पर विवादों का निपटारा न्यायालय हाजा के स्तर से किया जाना है। पत्रावली पर उपलब्ध मौका फर्द दिनांक 10.4.2023 अवलोकन से हस्तागत प्रकरण में विचाराधीन आराजी की सीमाओं को लेकर विवाद है, ऐसी स्थिति में राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 111 में निहित प्रावधानों के तहत हस्तागत प्रकरण का निस्तारण न्यायालय हाजा से ही किया जाना है। प्रार्थीगण अधिक्ता अपने आवेदन पत्र को बखूबी साबित करने में सफल रहा है।

5. उपरोक्त विवेचन के उपरांत न्यायालय हाजा इस निष्कर्ष पर पहुंचा है, कि प्रार्थीगण अपनी खातेदारी भूमि की नेखमबंदी करवाने के हकदार है। ऐसी सूरत में प्रार्थीगण का आवेदन स्वीकार किया जाना न्यायसंगत प्रतीत होता है।

—:आदेश:—

अतः उपर्युक्त विवेचन के आलोक में निष्कर्षतः प्रार्थना-पत्र प्रार्थीगण अन्तर्गत धारा 111, 128 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 भली भांति साबित होने एवं सारवान होने के कारण स्वीकार किया जाता है। तहसीलदार पचपदरा को निर्देश प्रदान किए जाते हैं कि राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 111 में विहित प्रक्रिया के अनुसरण में प्रार्थीगण की खातेदारी भूमि ग्राम जानियाना तहसील पचपदरा की खेत खसरा संख्या 613/82 व 614/82 कुल क्षेत्रफल 4.6539 हैक्टर एवं खसरा संख्या 612/82 क्षेत्रफल 3.8850 हैक्टर भूमि की सीमाज्ञान करवाकर नेखम स्थापित करें। उक्त कार्यवाही प्रार्थीगण व विप्रार्थीगण को पूर्व में जरिये नोटिस/पत्र के जरिये सुचित करते हुए एक निश्चित तारीख मुकर्रर कर की जावे। कमिशनर फीस 1000/प्रार्थीगण मौके पर अदा करेंगे। यदि विवाद हो, तो पालना रिपोर्ट पेश करें। पत्रावली इसी कदर निर्णीत होकर संख्या से एक कम होकर दाखिल दफतर हो।



आज दिनांक 12-7-2024 को सर-ए-इजलास सुनाया गया।

(राजेश कुमार)
उपखण्ड अधिकारी
बालोतरा

उपखण्ड अधिकारी
बालोतरा